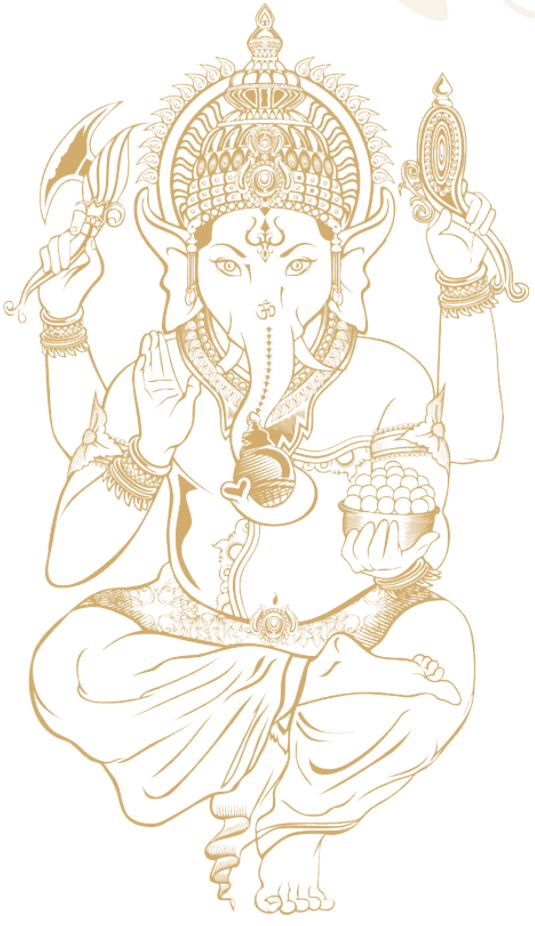

Mr.Anju

27 Apr 1995

06:40 PM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121010902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/04/1995**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**18:40:00 घंटे**
इष्ट	32:08:11 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:16:20 घंटे
वेलान्तर	00:02:16 घंटे
साम्पातिक काल	08:36:32 घंटे
सूर्योदय	05:48:43 घंटे
सूर्यास्त	18:54:33 घंटे
दिनमान	13:05:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	13:01:14 मेष
लग्न के अंश	10:41:16 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	विष्कुम्भ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	10:41:16	313:07:30	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मेष	13:01:14	00:58:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			मीन	18:26:40	12:24:33	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	25:15:37	00:18:50	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	नीच राशि
बुध			मेष	27:11:57	01:54:12	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		वृश्चि	20:33:24	00:04:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मीन	12:41:58	01:12:30	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	उच्च राशि
शनि			कुंभ	27:13:27	00:05:52	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	स्वराशि
राहु			तुला	11:48:35	00:00:06	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	11:48:35	00:00:06	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
हर्ष			मक	06:39:18	00:00:23	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:45:22	00:00:01	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	06:03:08	00:01:29	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कर्क	12:57:03	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:39

लग्न-चलित

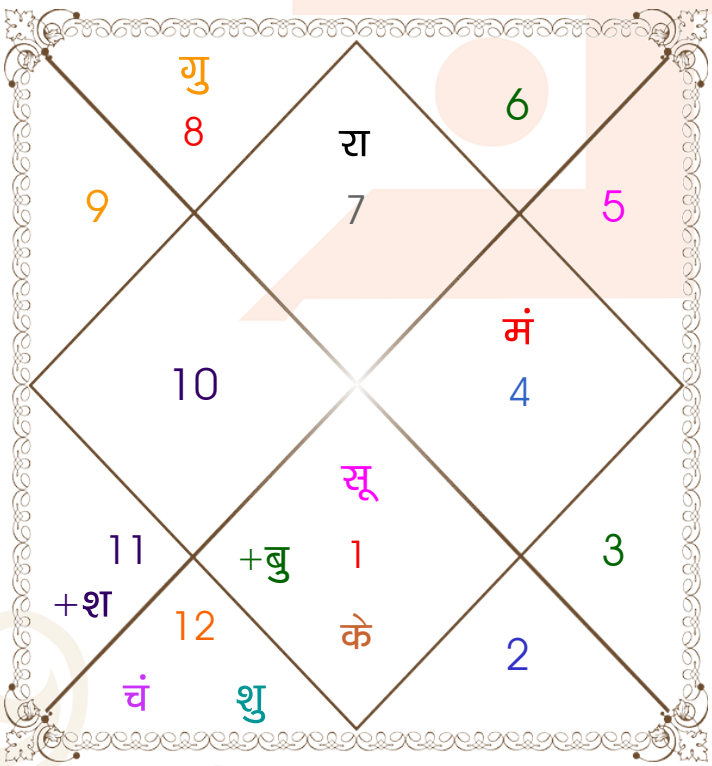

चन्द्र कुंडली

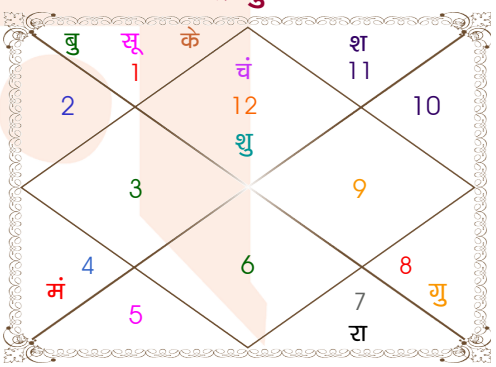

नवमांश कुंडली

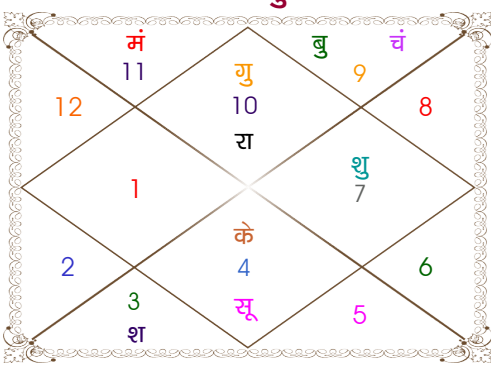

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 8 मास 24 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/04/1995		20/01/2010		19/01/2017		19/01/2037		20/01/2043	
20/01/2010		19/01/2017		19/01/2037		20/01/2043		19/01/2053	
बुध	18/06/1995	केतु	18/06/2010	शुक्र	21/05/2020	सूर्य	09/05/2037	चंद्र	20/11/2043
केतु	14/06/1996	शुक्र	18/08/2011	सूर्य	21/05/2021	चंद्र	08/11/2037	मंगल	20/06/2044
शुक्र	15/04/1999	सूर्य	24/12/2011	चंद्र	20/01/2023	मंगल	15/03/2038	राहु	20/12/2045
सूर्य	20/02/2000	चंद्र	24/07/2012	मंगल	21/03/2024	राहु	07/02/2039	गुरु	21/04/2047
चंद्र	21/07/2001	मंगल	20/12/2012	राहु	22/03/2027	गुरु	26/11/2039	शनि	20/11/2048
मंगल	18/07/2002	राहु	07/01/2014	गुरु	20/11/2029	शनि	07/11/2040	बुध	21/04/2050
राहु	04/02/2005	गुरु	14/12/2014	शनि	19/01/2033	बुध	14/09/2041	केतु	20/11/2050
गुरु	13/05/2007	शनि	23/01/2016	बुध	20/11/2035	केतु	20/01/2042	शुक्र	21/07/2052
शनि	20/01/2010	बुध	19/01/2017	केतु	19/01/2037	शुक्र	20/01/2043	सूर्य	19/01/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/01/2053		20/01/2060		20/01/2078		20/01/2094		20/01/2113	
20/01/2060		20/01/2078		20/01/2094		20/01/2113		00/00/0000	
मंगल	18/06/2053	राहु	02/10/2062	गुरु	09/03/2080	शनि	22/01/2097	बुध	28/04/2115
राहु	06/07/2054	गुरु	25/02/2065	शनि	20/09/2082	बुध	03/10/2099		00/00/0000
गुरु	12/06/2055	शनि	02/01/2068	बुध	26/12/2084	केतु	11/11/2100		00/00/0000
शनि	21/07/2056	बुध	21/07/2070	केतु	02/12/2085	शुक्र	12/01/2104		00/00/0000
बुध	18/07/2057	केतु	09/08/2071	शुक्र	02/08/2088	सूर्य	24/12/2104		00/00/0000
केतु	14/12/2057	शुक्र	09/08/2074	सूर्य	21/05/2089	चंद्र	25/07/2106		00/00/0000
शुक्र	13/02/2059	सूर्य	03/07/2075	चंद्र	20/09/2090	मंगल	03/09/2107		00/00/0000
सूर्य	21/06/2059	चंद्र	01/01/2077	मंगल	27/08/2091	राहु	10/07/2110		00/00/0000
चंद्र	20/01/2060	मंगल	20/01/2078	राहु	20/01/2094	गुरु	20/01/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।